आज दफ्तर कैसा रहा अशोक?

बढ़िया. पर कल मुझे एक हफ्ते के लिए दफ्तर के काम से दिल्ली जाना होगा।

पर...पर शुक्रवार का हमारी शादी की सालगिरह है।

माफ करना सावी ऐसा करेंगे कि हम बाद में बढ़िया से मनायेंगे

मुझे ये बिल्कुल पसन्द नहीं एक तो अकेले रहूँ अकेले के लिए पूरा खाना बनाऊँ खाऊँ।

मैं तुम्हारी झुंझलाहट महसूस कर सकता हूँ ऐसा करना पड़ोस के दोनों लड़कों को बुला..

...लेना वो भी खुश हो जायेंगे बिचारे डिब्बा बन्द खाना खा खाकर बोर हो गये होंगे।

WWW.KIRTU.COM

अच्छातो लड़कों, मैं चलता हूँ सविता के पास आते जाते रहना मेरे न होने पर वो बहुत अकेलापन महसूस करती है

आप चिन्ता न करे भाई साहब. हम भाभी का पूरा ख्याल रखेंगे।

आऽऽह, तरुन्न्न्न! कम से कम मेरे खाना बनाने तक तो सबर कर।

मम्म्म, वऽऽरुन!

अरे ये खाना खाने की मेज है अपनी भाभी की चूत खाने की नहीं।

आऽऽह... मैं झड़ी...

ये हफ्ता वाकई बड़े मजे का बीतेगा

WWW.KIRTU.COM

हमें इस सुझाव केलिए अशोक भाईसाहब का शुक्र-गुजार होना चाहिये

हाँ, हम अकेले घर में ऊबते रहते थे, अब हम अपना खाली समय भाभी के साथ बिता सकते हैं।

हाँ, वो अक्सर ऐसे कमाल के सुझाव और हल ढूंढ लेते हैं...

ओऽऽह!

अकक्यऽऽा..

ये कर क्या रहा है?

WWW.KIRTU.COM

हाय राम, ये पैन्ट तो इतनी ढीली है कि यूँही आसानी से नीचे सरक गई।

एऽएक रोटी तो और ले न वरुन।

क्या हुआ भाभी?

आप कुछ परेशान लग रही हैं।

ओह...कुछ नहीं वरुन,

बस आज गरमी थोड़ी ज्यादा है।

WWW.KIRTU.COM

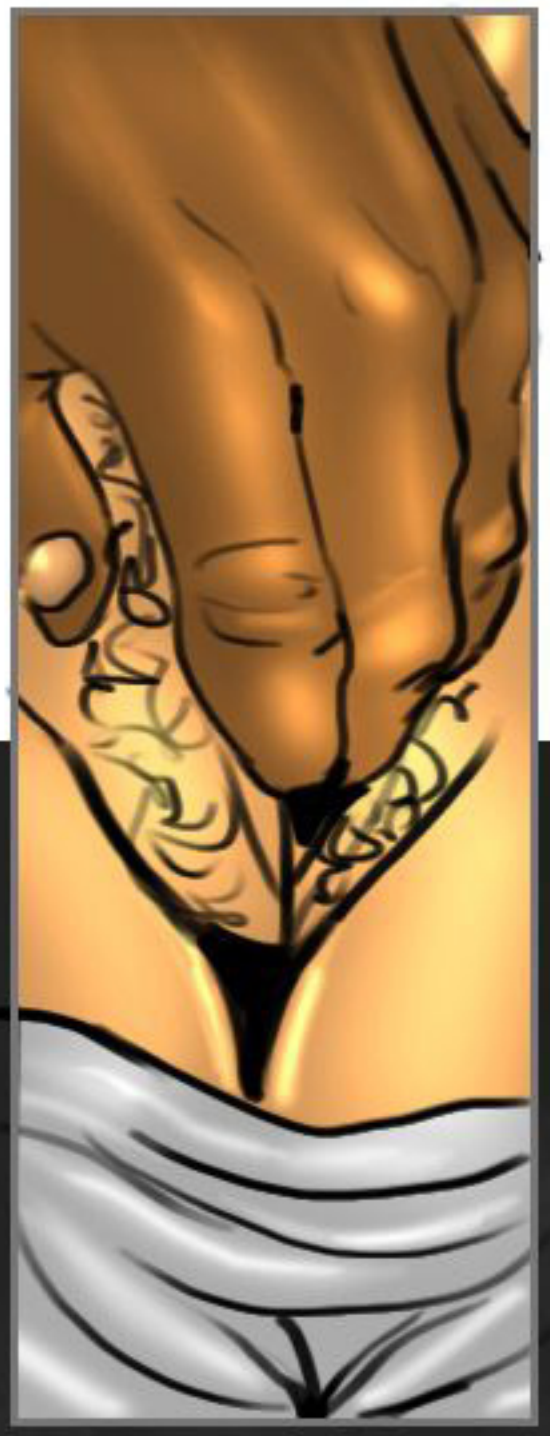

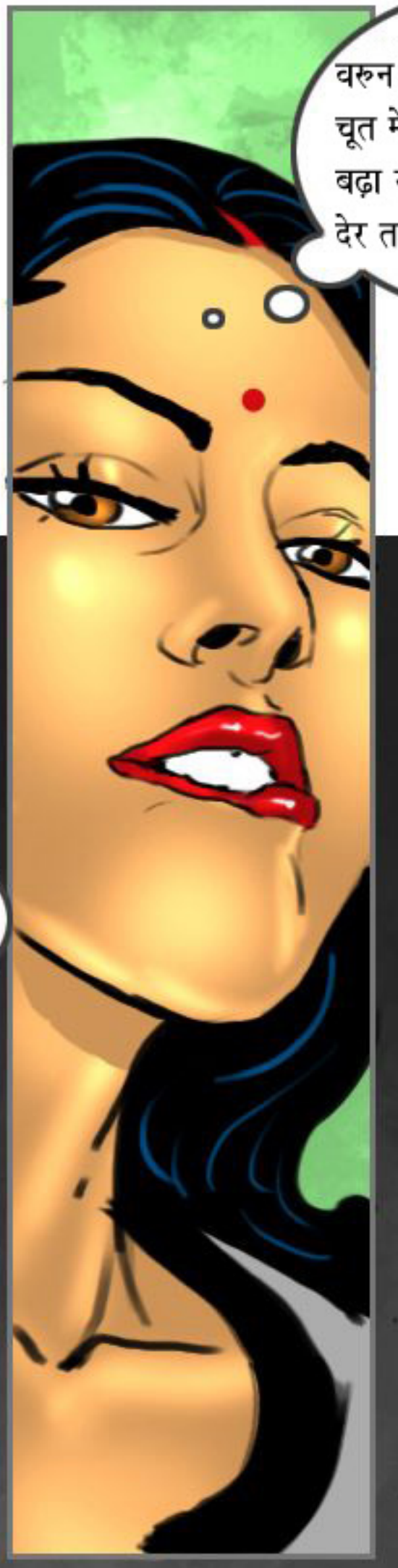

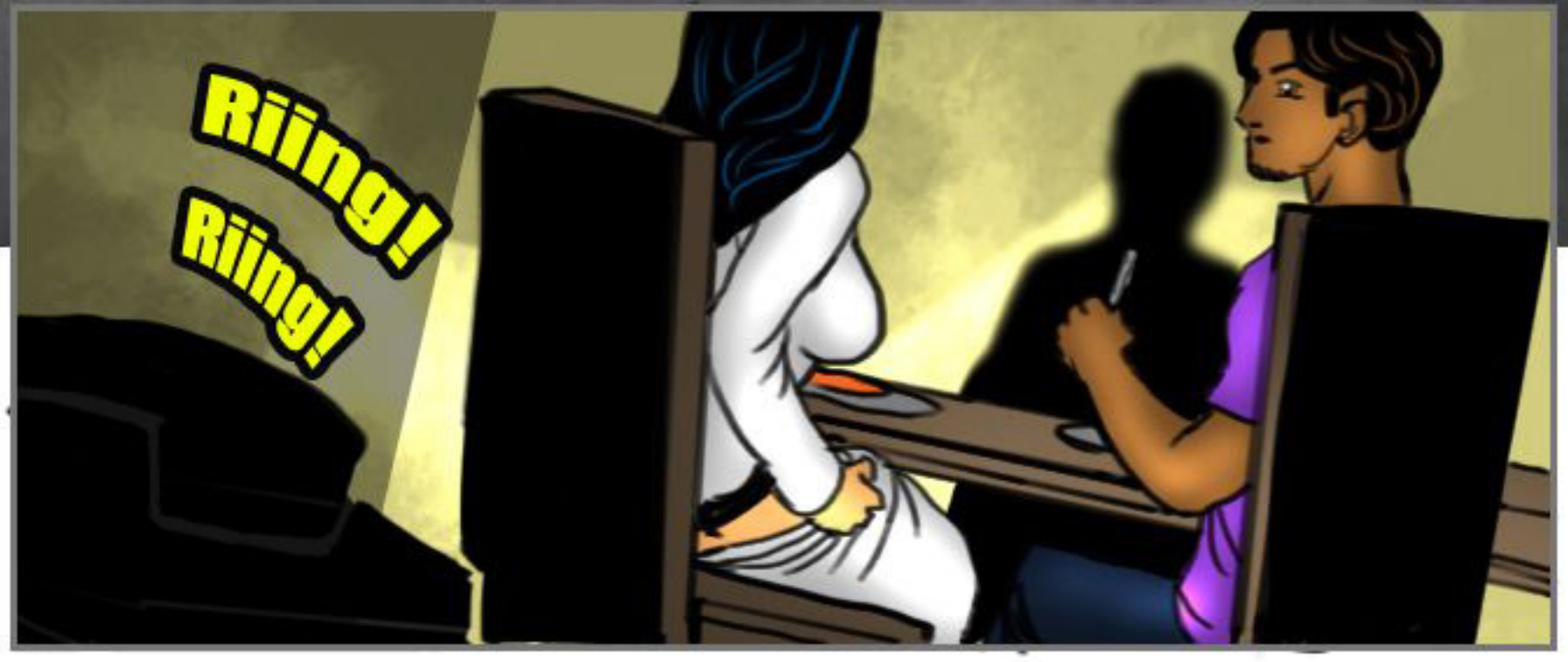

WWW.KIRTH.COM

हाँ अशोक!

हमने अभी अभी लँच खतम किया

ठीक है प्रिय मैं तुम्हें बाद में फोन करती हूँ। बाय।

अरे! तुम क्या जा रहे हो लड़कों, इतनी जल्दी?

हाँ भाभी हमें अपने क्लास जाना है

आज मेरे क्लास वरुन से एक घन्टा पहले खत्म हो जायेंगे भाभी। उम्मीद है शाम को कुछ गरमागरम खाने को मिलेगा।

WWW.KIRTU.COM

चाय पर

उम्मीद है भाभी तैयार मिलेगी।

Ding Dong!

भई वाऽऽह!

जल्दी कर बच्चे, कहीं तेरी चाय ठन्डी न हो जाये।

उम्म्म्ह! ये इतने भड़कीले कपड़े कहाँ से लायीं भाभी?

उम्म्म्ह! मैं बाजार गई थी कुछ हफ्तों पहले तो...

एक बड़ा मददगार दुकानदार मिला उसी ने ये सुझाई।

WWW.KIRTU.COM

उम्म्म्ह !आज मैं सारा दिन ये दूधिया पावरोटियाँ चूसने का इन्तज़ार करता रहा

आऽऽऽह

उम्म्म्म !

ओऽह तुझे मेरी छातियाँ सचमुच बेहद पसन्द हैं, है न तरुन?

हाँ भाभी!

जब मैं आपसे पहली बार मिला था तभी से मैं इन गठीले कटीले आमों को चूसने के सपने देखता रहा हूँ।

बस!

इतना सा सपना?

अम्म भाभी...

मैं अपना लण्ड आपकी छातियों के बीच में दबाकर भी देखना चाहता था

WWW.KIRTU.COM

तो तू अपने सपने
पूरे क्यों नहीं करता?

उई माँ! कितना
सख्त और गरम!

आऽऽह भाभी! आपकी
छातियाँ कितनी रेशमी और
गुदगुदी हैं

आऽऽह!

भाभी!!!

WWW.KIRTU.COM

हम्म तरुन लगता है तू काफी दिनों से ये सपने देख रहा था, है न?

क्योंकि तेरा लण्ड बेहद कड़ा हो रहा है।

मम्मम्म

कितना चिपचिपा है

कमाल है भाभी आपके होठ कितने आहिस्ते से मेरा पकड़े हुए हैं...

मम्मफ़...

अच्छा है...

WWW.KIRTU.COM

आऽऽह भाभी!!!

बस ऐसे ही!

मैं झड़ने वाला हूँ!

ठहर जा... झड़ना है तो मेरी चूत में झड़! जो तेरी दोपहर की छेड़खानियों से सारा दिन बुरी तरह से पनियाती रही है।

अच्छा तो सम्भालना भाभी!

Ding Dong!

मर गये! ये जरूर वरुन होगा।

WWW.KIRTU.COM

कुछ ही मिनटों में

आओ वरुन...

जल्दी आ गये?

हाँ, क्लास जल्दी खत्म हो गया।

उफ, बस 15 मिनट और मिल जाते तो मेरा क्लास भी खत्म हो जाता।

लगता है मेरी चूत को ढंग की चुदाई को लिए थोड़ा और इन्तजार करना पड़ेगा।

WWW.KIRTU.COM

अगली सुबह – नाश्ते पर

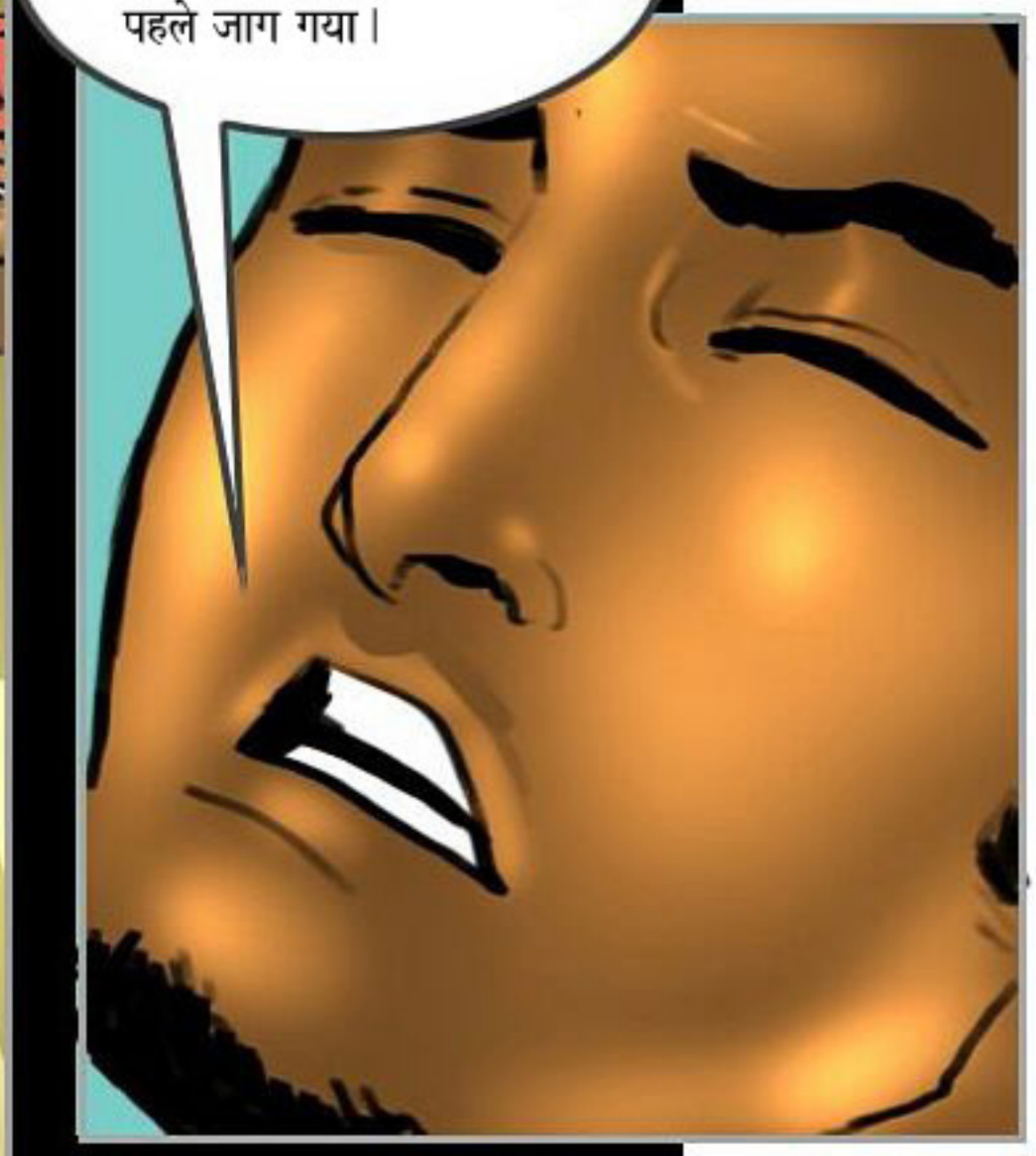

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

हाँ अब तेरी बारी, तू भी तो भाभी को खुश कर

लगता है तेरा लण्ड तो अगली पारी के लिए तैयार भी हो गया।

हाँ भाभी ये चाहता है कि आप इस पर चढ़कर झड़ने तक जमके सवारी करो

हम्म्म, मैं तेरा लन्ड अपनी चूत में डलवा के महसूस करने के लिए कब से बेकरार थी।

DING DONG!

WWW.KIRTU.COM

DING DONG!

बेवकूफ वरुन इसने आज मुझे जगाया क्यों नहीं।

बड़ी देर लगा दी ?

DING DONG!

आ तरुन... तेरा नाश्ता ठण्डा हो रहा था।

एक तो अशोक का बेवख्त फोन करना, ऊपर से इन लड़कों के आने जाने का बेमौका तालमेल, इसतरह तो इस हफ्ते कोई लण्ड मेरी चूत में जाने से रहा...

मुझे अपने आप ही कोई और तरकीब ढूंढनी पड़ेगी

WWW.KIRTU.COM

शुक्रवार की रात – खाने पर

वाह भाभी! आज का खाना बहुत बढ़िया था।

क्या कोई खास मौका है?

आज मेरी, अशोक की शादी की चौथी सालगिरह है।

पर मेरे बेवकूफ पति ने अभी तक मुझे एकबार फोन कर मुबारकबाद तक नहीं दी है।

उदास न हों भाभी वो जरूर किसी काम में फंस गये होंगे

मुझे यकीन है उनका फोन आता ही होगा।

शादी की सालगिरह पर वो मुझे ऐसे अकेला छोड़ गया कितनी खराब...

बात है। मैं इस बात से अपना दिमाग, किसी तरह कुछ करके हटाना चाहती हूँ।

टी वी पर आज बड़ी अच्छी फिल्म है क्यों न हम साथ साथ देखें।

WWW.KIRTU.COM

थोड़ी ही देर में

क्यों न ताश खेले मैं अपने कालेज के जमाने में मैं वास्तव में अच्छी खिलाड़िन थी।

मेरा चेक

मेरी कॉल

ऑऽऊं भाऽभी!

भाभी! बिना पैसे के तीन पत्ती बड़ा उबाऊ लगता है।

हाँ भाभी! वेसे ही खेलते हैं।

हम्म...क्यों न हम कोई और चीज़ दॉव पर लगायें।

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

पहली बाजी

लगता है आज रात तुम दोनों लड़के मेरे घर से बिना कपड़ो के नंगे ही जाओगे!

दूसरी बाजी

इस बार मैं जीत गया!

हाँ भाभी शाबाश!

मुझे महसूस हो रहा है कि इस खेल के नतीजों से अशोक जरा भी खुश नहीं होगा।

WWW.KIRTU.COM

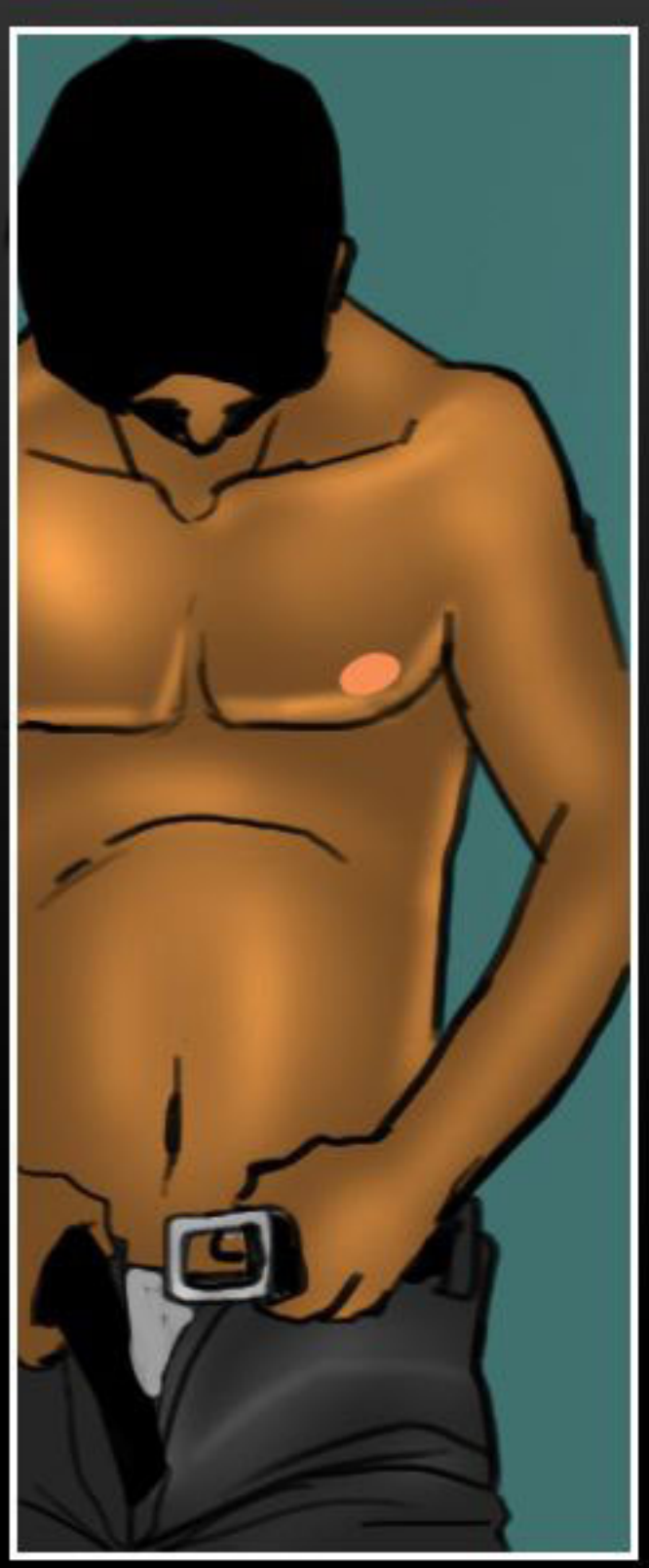

WWW.KIRTU.COM

इस बार मैं जीत गया हम्म्म... लगता है भाभी आप अपनी ब्रा मुझे हार गई

हम्म्म...तो मैं इसे खुद ही उतार दूँ...

या तू अपने हाथों से उतारना चाहेगा?

हेऽऽ वरुन...

मेरे ख्याल से टॉप उतारने का ये तरीका तो नहीं है।

हाँ तो लड़कों! क्या तुम अगली बाजी के लिए तैयार हो...

WWW.KIRTU.COM

कुछ बाजियों के बाद

हे! लगता है मैं आखरी बाजी भी जीत गई।
यहाँ आजा वरुन ताकि भाभी तेरा बाक्सर उतार सके

लगता है भाभी की छातियाँ देखदेख जोश मे भरे दोनों भाइयों के हथियार बुरी तरह अकड़ रहे हैं।

क्यों न हम एक बाजी और खेलें?
जो जीतेगा वही मैच का विजेता माना जायेगा।

पर अगर हम जीते तो हमे मिलेगा क्या भाभी?

वो एक राज है लड़कों...
तो अगर वो राज जानना है तो तुम्हें ये खेल जीतना ही होगा
WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

हाँ तो भाभी...

आखिर है क्या इनाम हमारा?

इनाम के तौर पर तुम्हारे लण्डों के चारो तरफ लिपटे तुम्हारी भाभी के खूबसूरत होठ कैसे रहेंगे?

हम्म्म...

तो मैं किसका पहले चूसूँ ?

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

हम्म...
भाभी
ऐसा तो लगता नहीं
कि आपको आज पहली
बार दो लण्ड एक साथ
मिले हैं।

हम्म...हाँ एकबार मुझे पड़ोस के
लड़कों को समझाना पड़ा था कि किकेट
खेलते समय सावधानी बरतनी चाहिये।

या यूँ कहो कि उन्हें काफी
कुछ समझाना पड़ा था।

slurp
slurp

mmmf

WWW.KIRTU.COM

हम्म...

लगता है तुम दोनों ही झड़ने वाले हो

शाबाश लड़कों...

झड़ो अपनी प्यारी भाभी के ऊपर

ढक दो! मेरी चूचियाँ!अपने वीर्य से!!!

ऐसे ही लडकों... अपनी भाभी को वीर्य से ढक दो

भाभी सारे बदन पर तुम्हारा गरमागरम वीर्य महसूस करना चाहती है!

आऽऽऽऽह भाभीईईई!!!

WWW.KIRTU.COM

हाँ तो लड़कों! अब मुझे भी वो मिलना चाहिये जिसका मैं पूरे हफ्ते इन्तजार करती रही।

अऽऽऽह

ऊंऽम्हम्ह

अम्म्ह भाभी कैसा रहे अगर आपकी छातियों के निपलों को छेड़ने मसलने के साथ ही साथ चूत की चटाई चुसाई भी हो?

अब तो मुँह खोल भाभी... बोल न।

आऽऽहाँऽऽ बहुत मजा आरहा है सच्च्च्च्ची!

उईईईमाँऽऽ

आऽऽह

WWW.KIRTU.COM

Ring Ring

ASHOK
"calling"

accept

अशोक भाईसाहब का फोन है भाभी

मेरे ख्याल से आपको फोन उठाना चाहिये भाभी वरना उन्हें शक भी हो सकता है।

हलो अशोक आऽऽह! म्मुबारक हो तुम्हें भी प्रिय!

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

दॉव पर क्या लगा रहे हो...

पैसे?

अह, अरे नहीं मैंने इनाम के तौर पर कुछ खास चीजें खाने की बनाई हैं।

तरुन तो मेरे दूधिया बनों के स्वाद का दीवाना हो रहा है

उई माँ! लगता है खा के खतम ही कर देऽऽऽगा मेरे बन।

जीत कौन रहा है?

अम्म्म...ओऽह हऽऽआँ व वरुन अपना पूरा जोर लगा रहा है...म्म्म...कि मैं हारकर छोड़ दूँ अपने पत्ते!!!

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIRTU.COM

WWW.KIKTU.COM

WWW.KIRTU.COM